आज़ादी का
अमृत महोत्सव

स्वस्थ भारत
समृद्ध भारत

कार्यबल और उनके परिजनों के स्वास्थ्य सुरक्षा की सुनिश्चितता

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
भारत सरकार

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

पंचदीप संकल्पना

देश में संगठित क्षेत्र के कामगारों को स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा कवरेज उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध।

ध्येय

- बीमाकृत व्यक्तियों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा सेवाओं की प्रदायगी सुनिश्चित करना।
- देश में क.रा.बी. योजना का रोजगार के नए क्षेत्रों एवं इलाकों में विस्तार करना।
- सभी हितधारकों के बीच क.रा.बी. योजना के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

स्वस्थ भारत समृद्ध भारत

कार्यबल और उनके परिजनों के
स्वास्थ्य सुरक्षा की सुनिश्चितता

सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
Employees' State Insurance Corporation

की
186वीं बैठक
(अहमदाबाद, फरीदाबाद, हैदराबाद और कोलकाता)
में पायलट वार्षिक निवारक स्वास्थ्य जाँच कार्यक्रम
का शुभारंभ

• ईएसआईसी की 186वीं बैठक में गठित
• ईएसआईसी की 187वीं बैठक की कार्यसूची पर चर्चा
• माननीय सदस्यों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दों / बिंदुओं पर चर्चा
उपाध्यक्ष
अध्यक्ष
सचिव
महानिदेशक

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)

विषयसूची

सामाजिक सुरक्षा और चिकित्सा देखभाल की नई ऊंचाइयाँ 2

क.रा.बी.निगम के प्रचालनों में व्यापक परिवर्तन 4

क.रा.बी.निगम की नई पहल – आत्मविश्वास जगाना, गौरव बढ़ाना 12

स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी में क.रा.बी.निगम के 70 वर्ष 16

- आज़ादी का अमृत महोत्सव के दौरान सेवा प्रदाता प्रणाली का विस्तार 16
- आज़ादी का अमृत महोत्सव के दौरान क.रा.बी.निगम में गतिविधियों पर केलिडोस्कोप 21

आज़ादी का अमृत महोत्सव के गौरवमयी सप्ताह के लिए नियोजित गतिविधियां 26

बढ़ती सामाजिक सुरक्षा से बेहतर होता जीवन 27

कोविड की चुनौती पर विजय 32

भविष्य की तैयारी 36

चिकित्सा शिक्षा का और अधिक विस्तार 39

कुशल देखरेख से समृद्ध जीवन 46

सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता क.रा.बी.निगम 50

सामाजिक सुरक्षा और चिकित्सा देखभाल की नई ऊंचाइयाँ

आज़ादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के महान दौर में क.रा.बी. निगम

संगठित क्षेत्र के सभी कामगारों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराना दशकों से कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) का ध्येय रहा है। औद्योगिक कामगारों, विशेषकर शॉप फ्लोर स्तर पर कार्यरत कामगारों के लिए क.रा.बी.निगम बीमा स्कीम के तहत सामाजिक सुरक्षा और चिकित्सीय देखभाल के लिए एक सम्पूर्ण समाधान है जिसमें श्रमिक वर्ग और प्रबंधन सर्वसमावेशी सामाजिक सुरक्षा लागत का बोझ साझा करते हैं और इसमें प्रबंधन अधिकतर लागत का वहन करता है। जब देश आज़ादी के गौरवपूर्ण 75वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, क.रा.बी.निगम संगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए एक कुशल एवं प्रभावी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता के रूप में स्थापित हो गया है। आज़ादी के 75 वर्षों के उपलक्ष्य में आज़ादी का अमृत महोत्सव के 75 सप्ताहों का उत्सव शुरू हो चुका है।

क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, फरीदाबाद

क.रा.बी.निगम मुख्यालय का तत्कालीन भवन

क.रा.बी. (चेस्ट) अस्पताल कानपुर, 15.09.1967

क.रा.बी. अस्पताल, अप्रुकरा (केरल) कार्यारंभ दिनांकः 24.11.1972

क.रा.बी.निगम की स्थापना वर्ष 1952 में एक सामाजिक सुरक्षा उपाय के रूप में की गई थी और इसे दुनियाभर की प्रगतिशील सरकारों द्वारा क्रियान्वित सफल स्कीमों के आधार पर अभिकल्पित किया गया था। और वर्ष 2014 से, इसने सरकारी और गैर–सरकारी क्षेत्र के आधुनिक अस्पतालों की तरह नवीनतम प्रौद्योगिकियों का प्रचलन शुरू करने के अलावा चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना करके अपने क्षितिज का विस्तार करते हुए ज़बरदस्त छलांग लगाई है।

क.रा.बी.निगम अपनी सुरक्षा (कवर) के तहत चोट, बीमारी का इलाज करते हुए एवं मृत्यु आदि को शामिल करते हुए बीमाकृत व्यक्ति (आईपी) को उचित चिकित्सा देखभाल के साथ सामाजिक सुरक्षा हितलाभ की पेशकश करने में अग्रणी रहा है। वर्तमान में, 3.39 करोड़ से अधिक कामगारों और उनके परिवारजनों को इसकी सुरक्षा छतरी के अंतर्गत कवर किया गया है जिससे 13 करोड़ से अधिक लोगों को फायदा पहुँच रहा है। वर्ष 2014 से क.रा.बी.निगम ने अपनी अवसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार किया है जिसके अंतर्गत 1502 औषधालयों (मोबाइल औषधालयों सहित)/ 308 आईएसएम केंद्रों और 160 क.रा.बी. अस्पताल, आठ चिकित्सा महाविद्यालय, दो दंत चिकित्सा महाविद्यालय, दो नर्सिंग महाविद्यालय व 744 शाखा/वेतन कार्यालय शामिल हैं।

क.रा.बी.निगम के प्रचालनों में व्यापक परिवर्तन

क.रा.बी.निगम ने पिछले केवल पांच वर्षों, वित्त वर्ष 2013–14 से वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान अपने कार्य क्षेत्र और स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का अभूतपूर्व विस्तार किया है, जिससे बीमाकृत व्यक्तियों (आईपी) की संख्या लगभग दुगुनी, 1.95 करोड़ से बढ़कर 3.49 करोड़ हो गई है। साथ–साथ क.रा.बी.निगम लाभार्थियों की संख्या भी वित्त वर्ष 2013–14 के 7.58 करोड़ से उल्लेखनीय रूप से बढ़कर वित्त वर्ष 2022–21 में 13.16 करोड़ हो गई है, जो सही मायनों में इसकी विश्वसनीयता का द्योतक है।

क.रा.बी.निगम का दायरा बढ़ने से पूरे भारत में सामाजिक सुरक्षा का विस्तार

क.रा.बी. निगम के असाधारण विकास और वर्ष 2014 में नई एवं अभिनव विशेषताएं पेश किए जाने के साथ देशभर में क.रा.बी. सेवाओं की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। तद्नुसार, सरकार ने क.रा.बी.निगम कवरेज का नए भौगोलिक क्षेत्रों में विस्तार करने का निर्णय लिया जिसमें देश का पूर्वोत्तर हिस्सा भी शामिल है। वर्ष 2020 में अरुणाचल प्रदेश में क.रा.बी. योजना के तहत सामाजिक सुरक्षा का विस्तार किया गया और इस तरह सभी पूर्वोत्तर राज्य व्याप्ति के दायरे में आ गए।

क.रा.बी. निगम के बीमाकृत व्यक्तियों के लिए हितलाभों में व्यापक सुधार

क.रा.बी. योजना के तहत हाल के वर्षों में उठाया गया एक प्रमुख कदम अधिक से अधिक लाभार्थियों को इसकी सुरक्षा (कवर) के तहत लाने के सरकार के हितकारी सिद्धांत के द्वारा प्रेरित रहा है। इस उद्देश्य के लिए क.रा.बी.निगम ने आय स्तर की उच्चतम सीमा को 15,000 रुपये प्रति माह के उच्चतम सीमा प्रतिबंधों को शिथिल करते हुए बढ़ाकर 21,000 रुपये प्रति माह कर दिया है। यह 01 जनवरी, 2017 से प्रभावी हुआ।

क.रा.बी.निगम ने कामगारों के बीच सेवाओं में सुधार लाने के लिए कई अन्य उपाय किए हैं, जैसेः

- कर्मचारियों के अंशदान के भुगतान पर छूट की वर्तमान सीमा को 137 रुपये प्रति दिन से बढ़ाकर 176 रुपये प्रति दिन करना।
- बीमाकृत व्यक्ति/बीमाकृत महिला और उनके परिवार के लिए आरजीएसकेवाई के तहत बेरोजगारी भत्ते की अवधि 12 माह से बढ़ाकर 24 माह की गई। आरजीएसकेवाई के तहत लाभ लेने के लिए पात्रता मानक भी तीन वर्ष से घटाकर दो वर्ष कर दिया गया है।
- प्रसूति में मातृत्व हितलाभ 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया गया।
- क.रा.बी.निगम ने लागत कम करने के सरकार के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अंशदान की दर को पूर्ववर्ती 6.5% से घटा कर 4% करने का फैसला किया, जिससे नियोक्ता और कर्मचारियों को आर्थिक राहत मिली। कर्मचारियों के लिए यह 1.75% से घटाकर 0.75% और नियोक्ता के लिए 4.75% से घटाकर 3.25% किया गया है।

Sign In

बिज़नेस करना हुआ आसान

क.रा.बी.निगम उन कुछ चुनिंदा संगठनों में पहला ऐसा संगठन है जिसने औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) के ई–बिज़ पोर्टल पर नियोक्ताओं के पंजीकरण के माध्यम से अपनी विभिन्न सेवाओं को सफलतापूर्वक एकीकृत किया है। व्यवसाय के लिए अनुकूल माहौल देने के सरकार के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए ऐसा किया गया है ताकि व्यवसाय करना आसान हो।

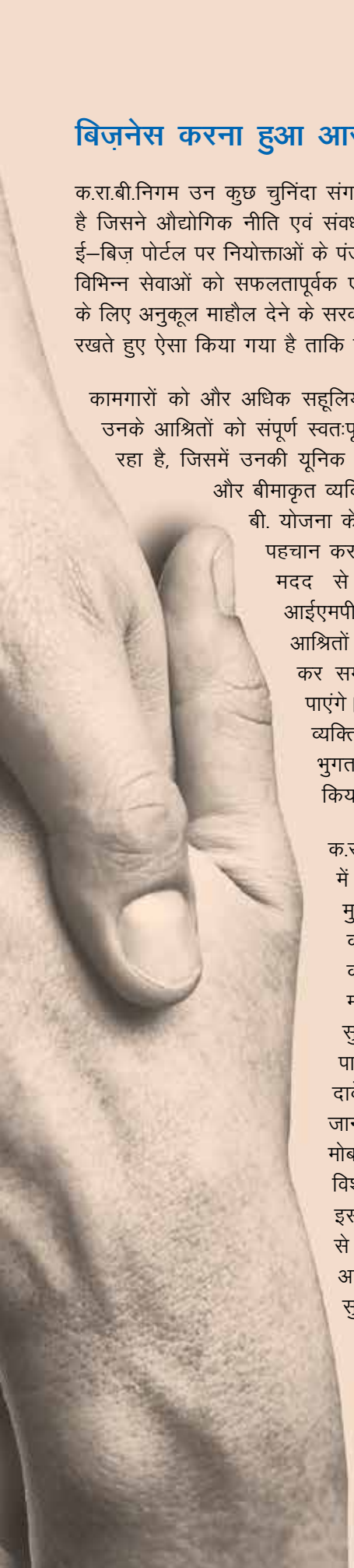

कामगारों को और अधिक सहूलियत देने के लिए उन्हें और उनके आश्रितों को संपूर्ण स्वतःपूर्ण हेल्थ पासबुक दिया जा रहा है, जिसमें उनकी यूनिक हेल्थ आईडी, क्यूआर कोड और बीमाकृत व्यक्तियों के फोटो हैं जो क.रा.बी. योजना के लाभार्थियों की आसानी से पहचान करने का साधन होगा। इसकी मदद से ईएसआई के डॉक्टर/आईएमपी कामगारों और उनके आश्रितों की क्लिनिकल रिपोर्ट देख कर समय पर उचित कदम उठा पाएंगे। क.रा.बी.निगम के बीमाकृत व्यक्तियों के नकद हितलाभों का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया जाता है।

क.रा.बी. निगम द्वारा हाल ही में शुरू किया गया 'चिंता से मुक्ति' मोबाइल ऐप कामगारों के जीवन को आसान बनाने का एक और साधन है। इसके माध्यम से बीमाकृत व्यक्ति सुप्रतिष्ठित उमंग पोर्टल पर पात्रता संबंधी अपनी स्थिति, दावे की स्थिति और कई अन्य जानकारियां प्राप्त करेंगे। इस मोबाइल ऐप की एक अन्य विशेषता बीमाकृत व्यक्ति को इस एप्लीकेशन के माध्यम से शिकायतें और दावे या अन्य मामले दर्ज करने की सुविधा देना है।

भारत सरकार के यूनिफाइड मोबाइल एप्लिकेशन प्लेटफॉर्म फॉर न्यू–एज गवर्नेंस (उमंग) के माध्यम से अब लाभार्थियों को कई प्रकार के अन्य अधिक मूल्यवर्धित सूचना और सुविधाएं प्रदान की गई हैं। लाभार्थी अपने वर्तमान स्थान से दूरी के आधार पर किसी ईएसआई स्वास्थ्य केंद्र, कार्यालय या पैनलबद्ध अस्पताल (जैसा कि पीएमजेएवाई) ढूंढ़ सकते हैं। सर्च फ़िल्टर में उपलब्ध सेवाओं के आधार पर सही स्वास्थ्य केंद्र या कार्यालय की पहचान करने और वहां पहुंचने के प्रावधान भी हैं।

यह गर्व की बात है कि क.रा.बी.निगम को 'उत्कृष्टता पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया और इसे उमंग क.रा.बी.निगम चिंता से मुक्ति ऐप के माध्यम से पेश की जा रही सेवाओं के लिए प्रति माह 5–10 लाख औसत अंतरण करने के लिए उमंग सिल्वर पार्टनर चुना गया।

ई-संजीवनी ऐप

क.रा.बी.निगम ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से क.रा.बी.निगम के लाभार्थियों को ई–संजीवनी ऐप के माध्यम से कहीं से भी निःशुल्क चिकित्सा परामर्श सेवाएं प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई है। ई–संजीवनी–सेफ होम ओपीडी टेली–कंसल्टेशन सिस्टम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का नागरिक–हितैषी वेब–आधारित ऐप है जिसका उद्देश्य अस्पताल में संरचित डॉक्टर और कहीं से भी घर में मौजूद मरीज के बीच सुरक्षित और वीडियो आधारित क्लिनिकल परामर्श के माध्यम से मरीज़ों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है।

अब, क.रा.बी. के हितलाभार्थी वीडियो कॉल से क.रा.बी. के चिकित्सकों की सलाह और संपर्क का समय ले पा रहे हैं। यह बुजुर्ग रोगियों के लिए अनुवर्ती परामर्श लेने में भी सहायक है। कोविड के मौजूदा हालात में हितलाभार्थी को क.रा.बी. स्वास्थ्य केंद्र तक जाए बिना स्वास्थ्य सलाह लेने में यह साधन बहुत उपयोगी साबित हो रहा है।

हितलाभार्थी अपने घर/कार्यालय से https://eSanjeevani.in या ई–संजीवनी ऐप डाउनलोड कर ऑनलाइन ओपीडी टेली–कंसल्टेशन की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।

कोविड-19 डैशबोर्ड

कोविड–19 महामारी के कठिन दौर में देश के नागरिकों की सुविधा के लिए www.esic.in पर कोविड–19 डैशबोर्ड बनाया गया है। डैशबोर्ड पर खाली बिस्तरों की सूचना, ऑक्सीजन और आईसीयू सुविधाओं, आरटी–पीसीआर परीक्षण क्षमता, उपलब्धता और टीकाकरण की सुविधाओं की लगभग रियल टाइम जानकारी इसके इच्छुक रोगियों और परिचारकों को मिलती है।

एकीकृत खाता संख्या (यूएएन)

नियोक्ताओं ने पंचदीप एप्लिकेशन (बीमा मॉड्यूल) में बीमाकृत व्यक्तियों के लगभग 80 लाख एकीकृत खाता संख्या (यूएएन) दर्ज किए हैं। आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के दौरान 75 लाख यूएएन सीडिंग का लक्ष्य 15 फरवरी, 2022 तक पूरा कर लिया गया। यूएएन की मदद से दोहरी प्रविष्टियों की समस्या दूर होगी और हकदार बीमाकृत व्यक्तियों को हितलाभ पहुंचाने का लक्ष्य पूरा होगा।

क.रा.बी.निगम के डेटाबेस में नव–पंजीकृत कर्मचारियों की मोबाइल नंबर सीडिंग अनिवार्य कर दी गई है ताकि उन्हें समय–समय पर सूचना दी जा सके। मोबाइल नंबरों का सत्यापन ओटीपी से करने की व्यवस्था की गई है। क.रा.बी.निगम डेटाबेस में लगभग 3.5 करोड़ मोबाइल नंबर दर्ज किए गए हैं।

क.रा.बी.निगम डेटाबेस में नव–पंजीकृत कर्मचारियों के बैंक खाते के विवरण दर्ज करना भी अनिवार्य कर दिया गया। सिस्टम आईएफएस कोड का अपने आप सत्यापन करता है और एक समान डेटा सीडिंग के लिए बैंक के विवरण प्राप्त करता है। सिस्टम बैंक खाता विवरण का अनुलिपीकरण रोकता है और इस तरह फर्जी डेटा हटा कर नकद हितलाभों की लक्षित प्रदायगी सुनिश्चित करता है।

डेटाबेस मे लगभग 3.5 करोड़ बैंक खाते दर्ज किए गए हैं।

'आस्क एन अपॉइंटमेंट' मोबाइल ऐप

'आस्क एन अपॉइंटमेंट' मोबाइल ऐप को अस्पतालों में अपाइंटमेंट लेने की व्यवस्था करके सशक्त बनाया गया है। किसी लाभार्थी को यदि डिस्पेंसरी के डॉक्टर अस्पताल के लिए ऑनलाइन रेफर करते हैं तो वह रेफर किए गए अस्पताल के रेफर किए गए विभाग की ओपीडी में पंजीकरण के लिए अपॉइंटमेंट ले सकता है। इसके अतिरिक्त, यदि किसी अस्पताल के डॉक्टर ने किसी लाभार्थी को ऑनलाइन दुबारा परीक्षण (फॉलो अप) की सलाह दी है तो मरीज अपॉइंटमेंट लेकर कतार में समय नष्ट करने से बच सकता है। मोबाइल एप से डिस्पेंसरी का अपॉइंटमेंट भी ले सकता है। वर्तमान में, दिल्ली राज्य (डीएमडी) ने औषधालयों में इसे लागू किया है। अस्पतालों को यह प्रावधान लागू करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस अपॉइंटमेंट मॉड्यूल को अपनाने का प्रशिक्षण तेलंगाना और गोवा राज्यों को भी दिया जा रहा है।

धन्वंतरी मोबाइल ऐप

धन्वंतरी मोबाइल ऐप धन्वंतरी वेब ऐप का विस्तार है और यह क.रा.बी.निगम और क.रा.बी. योजना के डॉक्टरों, आशोधित बीमा चिकित्सकों (एमआईएमपी), एमआईएमपी स्कीम के केमिस्टों/नैदानिक केंद्रों के लिए है। डॉक्टर औषधियों, निदान और परीक्षणों के पूर्व–निश्चित पद (शब्द) विहित कर सकें, इसके लिए इसे बेहतर बनाया गया है। एमआईएमपी हस्तचालित उपकरणों से नैदानिक डेटा प्राप्त कर सकता है। ऐप में अब अपेक्षित परिणाम के अनुसार विशिष्टताएं दी गई हैं। रोग का अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण संस्करण–10 (आईसीडी 10) और चिकित्सा और नैदानिक शब्दावली की व्यवस्थागत नामपद्धति (SNOMEDCT), जैसा कि धनवंतरी वेब मॉड्यूल में उपलब्ध है, भी निदान/रोग के मानकीकृत पदों को दर्ज करने के लिए इस मोबाइल ऐप से जोड़ा है ताकि चिकित्सकों को बहुत अधिक टाइप करने की ज़रूरत न पड़े।

अन्य सुविधाएं

बीमाकृत व्यक्ति अपनी सुविधानुसार डिस्पेंसरी/आईएमपी क्लिनिक बदलने के लिए ऑनलाइन अनुरोध कर सकें, इसके लिए प्रावधान किया गया है। हालांकि यह एक सीमा और कुछ शर्तों पर मान्य है। इससे लाभार्थी आसानी से सेवाएं प्राप्त कर सकेंगे और उन्हें इस काम के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालय/नियोक्ता के पास जाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी।

लाभार्थियों को वह भाषा चुनने की सुविधा दी गई है जिसमें मूल्यवर्धित एसएमएस भेजे जा सकते हैं। अब बीमाकृत व्यक्ति एसएमएस प्राप्त करने के लिए मनपसंद भाषा चुन या बदल सकते हैं। उनके खास राष्ट्रभाषा के अलावा 12 अलग–अलग भाषाओं में से किसी एक भाषा को चुनने का विकल्प होगा। उत्तर भारत में हिंदी और दक्षिण भारत में अंग्रेजी डिफॉल्ट भाषा होगी।

क.रा.बी.निगम ने अपने आप को 'प्रयास' (prayas.nic.in) से जोड़ लिया है और क.रा.बी. स्वास्थ्य केंद्रों की बाह्य रोगी सेवाओं पर 2 मुख्य प्रदर्शन सूचक (केपीआई) साझा करता है और प्रयास डैशबोर्ड पर सूचना प्रदर्शित करता है।

क.रा.बी.निगम ने नियोक्ताओं को www.esic.in पर नियोक्ता पोर्टल के माध्यम से एक क्लिक में राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल पर अपना खाता बनाने का विकल्प दिया है। क.रा.बी.निगम के साथ एनसीएस के एकीकरण से नियोक्ताओं को एनसीएस पोर्टल पर अपने उद्योगों में रिक्तियों का विज्ञापन देने में मदद मिलती है जिसके परिणामस्वरूप यह लाभार्थियों के लिए और अधिक मूल्यवान हो गया है।

सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में हितलाभों का वितरण करने के लिए ई–पेमेंट की व्यवस्था की गई है।

नियोक्ताओं/प्रतिष्ठानों की सुविधा के लिए क.रा.बी.निगम ने विभिन्न बैंकों के साथ एकीकरण किया है ताकि नियोक्ता रीयल टाइम धन–प्रेषण के लिए इंटरनेट बैंकिंग (कॉर्पोरेट और रिटेल) का उपयोग करके अपने अंशदान का भुगतान कर सकें। अन्य बैंकों के साथ एकीकरण की प्रक्रिया जारी है ताकि नियोक्ता अपनी पसंद के बैंक के माध्यम से अंशदान का भुगतान कर सकें।

ऐसे गैर–सरकारी अस्पतालों के ऑनलाइन दावों और बिलों की प्रोसेसिंग और समीक्षा के लिए यूटीआई–आईटीएसएल क.रा.बी. निगम की थर्ड पार्टी बिल प्रॉसेसिंग एजेंसी के रूप में भागीदार रही है जहां से क.रा.बी. निगम विशेष मामलों में, मुख्यतया तृतीयक देखभाल सेवाओं के लिए चिकित्सा सेवाएं अधिप्राप्त करता है। यूटीआई–आईटीएसएल के सॉफ्टवेयर मॉड्यूल को पंचदीप के विभिन्न मॉड्यूलों के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत किया जा चुका है। इससे ऑनलाइन रेफरल से लेकर किए गए बिलों की प्रोसेसिंग से समीक्षा एवं भुगतान हेतु अनुमोदन जारी करने की सहूलियत मिली है जिसके परिणामस्वरूप कैशलेस चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में पारदर्शिता, तत्परता और दक्षता बढ़ी है।

स्वास्थ्य सुधार एजेंडा और संस्करण 2.0 के तहत क.रा.बी.निगम की नई पहल

जैसे कि नई सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में अनेक प्रगतिशील सुधारों का शुभारंभ किया गया, वैसे ही स्वास्थ्य एवं श्रम मंत्रालय के विभिन्न विभागों के अंतर्गत बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं का अद्यतनीकरण किया गया।

माननीय प्रधानमंत्री ने 20 जुलाई, 2015 को क.रा.बी.निगम के लिए स्वास्थ्य सुधार एजेंडा की एक श्रृंखला का शुभारंभ किया ताकि लाभार्थियों की बढ़ती जरूरतों के साथ तालमेल बिठाया जा सके और उन्हें नई स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं और उपचार के नए तरीकों के बारे में अद्यतन सूचना दी जा सके।

क.रा.बी.निगम 2.0:
क.रा.बी.निगम का स्वास्थ्य सुधार एजेंडा

क.रा.बी. लाभार्थियों का इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध

अभियान इन्द्रधनुषः प्रतिदिन निर्दिष्ट रंग की चादर बदलने का प्रावधान

आपातकालीन चिकित्सा और मार्गदर्शन के लिए चिकित्सा हेल्पलाइन 1800–11–3839

वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए विशेष ओपीडी

स्वास्थ्य सेवा के लिए क.रा.बी. निगम के प्रगतिशील एजेंडे की मुख्य विशेषताओं में एक क.रा.बी. निगम अस्पतालों में आपातकालीन चिकित्सा और आपातकालीन उपाय के बारे में मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए चिकित्सा हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर 1800 11 3839 शुरू करना है।

मौजूदा एलोपैथिक उपचार पद्धति के अतिरिक्त चिकित्सा की वैकल्पिक पद्धतियों को अपनाने की दृष्टि से आयुष सरकार की एक बड़ी पहल थी। क.रा.बी. निगम अस्पताल भी एलोपैथिक उपचार की सुविधाओं के अतिरिक्त आयुष के तहत आयुर्वेद, योग, सिद्ध और होम्योपैथी चिकित्सा पद्धतियों से लैस हैं। यह सुविधा सभी क.रा.बी.निगम अस्पतालों में शुरू की गई थी।

आशोधित बीमा चिकित्साकर्मी (एमआईएमपी)

आशोधित बीमा चिकित्साकर्मी (एमआईएमपी) योजना, 2018 में शुरू की गई ताकि बीमाकृत व्यक्ति नजदीकी प्राइवेट डॉक्टरों, क्लीनिकों, प्राइवेट कैमिस्टों और निदान केंद्रों के नेटवर्क से बिना परेशानी के प्राथमिक चिकित्सा सेवाएं प्राप्त कर सकें।

क.रा.बी.निगम की नई पहल - आत्मविश्वास जगाना, गौरव बढ़ाना

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने देश के बीमाकृत कामगारों के लिए जरूरत आधारित सामाजिक सुरक्षा हितलाभों के अंतर्गत अपनी योजनाओं का विस्तार करने के लिए कई पहल की है। संगठन ने विभिन्न कामगार समूहों की जरूरतों को लक्षित करते हुए अनुकूलित हितलाभ स्कीमें उपलब्ध कराने का चुनौतीपूर्ण कार्य हाथ में लिया है। कई नई योजनाएं शुरू की गई हैं जैसे कि:

अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना (एबीवीकेआई)

कोविड–19 के चलते बड़ी संख्या में कामगार बेरोजगार हो गए। क.रा.बी.निगम की कल्याण योजना – अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना, खासकर उनकी जरूरतों को पूरा करने और उनका संकट दूर करने के लिए तैयार की गई थी।

एबीवीकेवाई के तहत बेरोजगार बीमाकृत व्यक्ति को अधिकतम 90 दिनों के लिए नकद राहत दी जाती है। यह योजना 07 जुलाई, 2018 से लागू है जो प्रायोगिक आधार पर दो वर्षों की अवधि के लिए लागू की गई थी। लेकिन, बाद में यह और एक वर्ष 07 जुलाई, 2020 से 30 जून, 2021 तक बढ़ा दी गई थी। पात्रता मापदण्ड में छूट देते हुए इस योजना में बीमाकृत कामगारों को औसत प्रतिदिन आमदनी के 50% की दर से भुगतान किया जा रहा है।

एबीवीकेवाई के तहत, 31 दिसंबर, 2021 तक कुल 60,758 दावे अनुमोदित किए गए और प्रभावित व्यक्तियों को 80.76 करोड़ रु. की राहत राशि संवितरित की गई।

पैनलबद्ध अस्पतालों द्वारा बीमाकृत व्यक्तियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना

हालांकि क.रा.बी. निगम ने पूरे देश में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, किंतु अभी भी कुछ क्षेत्रों को इसके आउटरीच कार्यक्रमों में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था, जिसके लिए त्वरित समाधान की दरकार थी।

क.रा.बी. निगम के लाभार्थियों को पड़ोस या आसपास के क.रा.बी. निगम से पैनलबद्ध अस्पतालों तक जोड़ने की योजना का शुभारंभ उनके लिए वरदान बन कर आया। लाभार्थियों को देशभर के 2270 पैनलबद्ध अस्पतालों के माध्यम से चिकित्सा देखरेख सुविधा प्रदान की जाती है।

क.रा.बी. निगम चिकित्सा सेवा की बुनियादी संरचना सुदृढ़ की गई ताकि लाभार्थियों के निवास के निकट, वस्तुतः उनके द्वार पर बेहतर चिकित्सा सेवाएं सुलभ कराई जा सके। इसके लिए क.रा.बी. निगम लाभार्थी को क.रा.बी. ई–पहचान कार्ड के साथ आधार कार्ड/सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र प्रस्तुत करना होता है और वे नकदीरहित मेडिकल केयर का लाभ ले सकते हैं।

क.रा.बी. योजना का आयुष्मान-भारत (पीएम-जेएवाई) से सम्मिलन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार वर्ष पहले प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम–जेएवाई) का शुभारंभ किया जो आयुष्मान भारत के नाम से भी जानी जाती है। यह एक सरकारी बीमा योजना है, जो दुनिया में अपने प्रकार की सबसे बड़ी बीमा योजना है। क.रा. बी.निगम ने नव–क्रियान्वित/नामोद्दिष्ट 157 जिलों में बीमाकृत कामगारों और उनके परिवारों को जल्द और कुशल गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के लिए आयुष्मान भारत के पैनल पर मौजूद अस्पतालों के माध्यम से कैशलेस चिकित्सा देखभाल सुविधा प्रदान करने के लिए पीएमजेएवाई – आयुष्मान भारत से साझेदारी करने का निर्णय लिया।

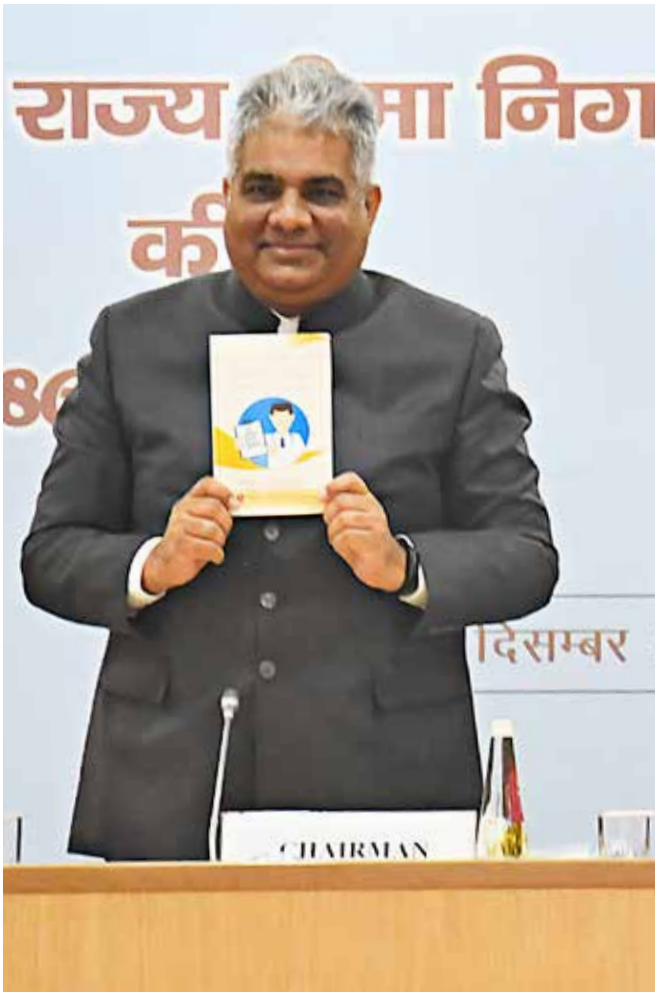

40 वर्ष और अधिक आयु के बीमाकृत व्यक्तियों के लिए वार्षिक आधार पर निवारक स्वास्थ्य जांच पर पायलट परियोजना

निजी क्षेत्र और कॉरपोरेट जगत में निवारक हेल्थकेयर का काफी चलन था जहां लागत साझेदारी आधार पर कर्मचारियों के फिटनेस की जांच अनिवार्य थी ताकि बीमारी की शुरुआत होने से पहले कर्मचारियों की विशेषज्ञों से वक्त से पहले सलाह लेने में मदद की जा सके। साथ ही, केंद्र सरकार के समूह 'क' अधिकारियों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच कराना अनिवार्य है। माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने कर्मचारियों के लिए भी नकदीरहित वार्षिक निवारक स्वास्थ्य जांच की उसी परिकल्पना का चलन शुरू करवाया। उन्होंने 40 वर्ष और अधिक आयु के बीमाकृत व्यक्तियों के लिए निवारक वार्षिक स्वास्थ्य जांच के लिए क.रा.बी. निगम की समर्पित प्रायोगिक परियोजना का शुभारंभ अहमदाबाद, फरीदाबाद, हैदराबाद और कोलकाता के क.रा. बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालयों/अस्पतालों में किया। अब तक इस परियोजना का 16 शहरों में विस्तार किया जा चुका है जहां उद्योग क्लस्टरों में स्वास्थ्य जांच की जाएगी। इसका उद्देश्य किसी बीमारी का जल्द पता लगा लेना और क.रा.बी.निगम के सुयोग्य चिकित्सा विशेषज्ञों से उपचार परामर्श लेकर बीमारी को बढ़ने से रोकना है। इस तरह, निवारक स्वास्थ्य जांच में बुनियादी चिकित्सा ढांचे पर बोझ के कम होने की संभावना है।

स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी में क.रा.बी.निगम के 70 वर्ष

आज़ादी का अमृत महोत्सव के दौरान सेवा प्रदाता प्रणाली का विस्तार

क.रा.बी.निगम ने 24 फरवरी, 2022 को संगठित क्षेत्र की कामगार श्रेणी को अपनी सेवा के 70 साल पूरे करने के साथ नए क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज की है ताकि और अधिक संख्या में बीमाकृत व्यक्तियों को इसकी सुरक्षा के अंतर्गत लाया जा सके। सेवाओं की एक नई श्रृंखला, सरकारी और गैर–सरकारी दोनों में, न केवल औद्योगिक क्लस्टरों में बल्कि पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ हैल्थकेयर एवं मेडिकल सुविधाएं प्रदान करने के लिए जोड़ी गई है।

कुछ उल्लेखनीय पहलः

क.रा.बी. अस्पताल, शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश का भूमि पूजन

माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्री, श्री भूपेंद्र यादव ने उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में क.रा.बी.निगम अस्पताल का भूमि पूजन किया। इसमें 100 बिस्तरों की सुविधा होगी जिससे स्थानीय और आसपास के जिलों के दो लाख से अधिक हितलाभार्थी स्वास्थ्य सेवा प्राप्त कर सकेंगे। अस्पताल में हितलाभार्थियों को मुफ्त उपचार और दवाइयों के साथ–साथ आईसीयू, ओपीडी, नैदानिक केन्द्र और फार्मेसी की भी सुविधा दी जाएगी।

हरियाणा के मानेसर में 500 बिस्तरों के क.रा.बी.निगम अस्पताल का शिलान्यास

क.रा.बी.निगम ने 6.10 लाख लाभार्थियों की हैल्थकेयर ज़रूरतों को पूरा करने के लिए मानेसर में आठ एकड़ ज़मीन पर 500 बिस्तरों के अपने नए क.रा.बी. निगम अस्पताल का शिलान्यास करके गुरुग्राम, हरियाणा में अपने पुनरागमन को उपलक्षित किया। इससे महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी और नूह के समीपवर्ती ज़िलों का मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर दुरुस्त होगा। पूरे अस्पताल के निर्माण पर 500 करोड़ रु. का व्यय होगा। इसमें सामान्य चिकित्सा और सर्जरी, प्रसूति और स्त्री रोग, बाल रोग और नवजात शिशु चिकित्सा, चर्म रोग, आपातकालीन चिकित्सा –सीसीयू / आईसीयू, रेडियोलॉजी–एक्स रे / सीटी–स्कैन / एमआरआई, बायोकेमिस्ट्री और माइक्रोबायोलॉजी, ब्लड बैंक और कई अन्य अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं होंगी।

क.रा.बी.निगम अस्पताल, हरिद्वार

श्री भूपेंद्र यादव, माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्री, भारत सरकार ने हरिद्वार में 10.09.2021 को 300 बिस्तरों वाले प्रस्तावित क.रा.बी.निगम अस्पताल (50 अति विषेशज्ञता बिस्तरों सहित) के स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, माननीय श्रम मंत्री ने कहा कि इस परियोजना को समय से पूर्ण कर इस अस्पताल को चालू करना उनकी प्राथमिकता होगी।

क.रा.बी.निगम अस्पताल, गुवाहाटी

क.रा.बी.निगम आदर्श अस्पताल परिसर, गुवाहाटी, असम के निर्माण कार्य का शुभारंभ नवंबर 2021 में किया गया। इस निर्माण कार्य के समाप्त होने के बाद उन्नयित अस्पताल में अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। निर्माण की अनुमानित लागत 143 करोड़ रूपए होगी जो जनवरी 2024 तक पूरा हो जाएगा और इस अस्पताल को 200 बिस्तरों में उन्नयन करने के बाद, यहाँ पर ओपीडी, आईसीयू, एचडीयू, कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, गैस्ट्रोएंट्रोलोजी, न्यूरोलॉजी, यूरोलॉजी, एंड्रोक्रिनोलोजी इत्यादि जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

क.रा.बी.निगम में कैथ लैब

12 फरवरी, 2022 को क.रा.बी.निगम अस्पताल, फरीदाबाद में एक कैथ लैब का उद्घाटन किया गया। इससे पूर्व, कार्डियक कैथेटेराइजेशन (एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी) की सुविधा के अभाव में हर महीने 100–150 हृदय रोगी अन्य अस्पताल रेफर किए जाते थे। अत्याधुनिक कैथ लैब खुलने के साथ, मरीज क.रा.बी.निगम अस्पताल में ही उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य देखभाल सेवा का लाभ ले सकेंगे।

क.रा.बी.निगम निर्माण कार्य डैशबोर्ड

डैशबोर्ड डेटा सहजता से प्राप्त करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र का एक नया साधन है। क.रा.बी.निगम ने सूचना, अध्ययन, विश्लेषण, और अनुवर्ती कार्रवाई की रीयल टाइम जानकारी प्राप्त करने के लिए इसकी स्थापना की है। इससे शीर्ष प्रबंधन के लिए भी तेज़ी से रीयल टाइम निर्णय लेने में सहूलियत होती है।

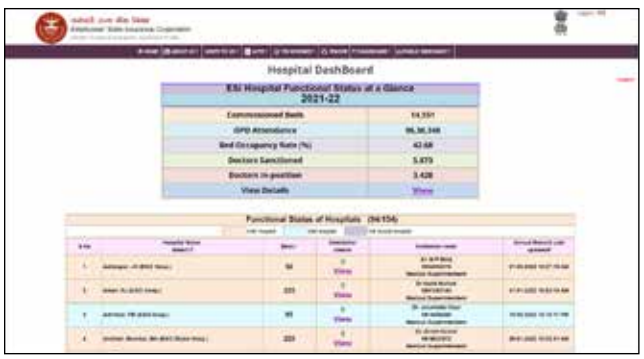

शीर्ष प्रबंधन निर्माण कार्य डैशबोर्ड पर एक बटन क्लिक कर डेटा और जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सभी निर्माण परियोजनाओं, उनकी लागत, सोपान की सूचना आसानी से अभिगम्य है जिससे तेजी से रीयल–टाइम प्रबंधकीय निर्णय लेने और यथासमय कार्रवाईयों का अनुवीक्षण करने में मदद मिलती है। विभिन्न फील्ड इकाइयों में तैनात इंजीनियर डेटा एकत्र कर परियोजनाओं की निगरानी करने में मदद करते हैं।

क.रा.बी.निगम अस्पताल डैशबोर्ड

अस्पताल डैशबोर्ड की मदद से प्रबंधन अस्पतालों के प्रदर्शन की समय पर निगरानी करता है। इसका ओपीडी में मरीजों के आगमन, बिस्तर रोगी अनुपात, डॉक्टरों की उपलब्धता की स्थिति की दृष्टि से आकलन किया जाता है। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक, चिकित्सा आयुक्त (चिकित्सा सेवाएं) की देखरेख में यह सुनिश्चित करते हैं कि सूचना समय पर अपडेट की जाए।

क.रा.बी. औषधालय और शाखा कार्यालय, प्रगति पुरम, रायबरेली, उत्तर प्रदेश

रायबरेली में 2.27 करोड़ रुपये की लागत से खुलने वाले क.रा.बी. औषधालय से 60,000 लोगों को स्वास्थ्य देखभाल सुविधा मिलती है। इसमें 15,000 कामगारों को नकद हितलाभ और चिकित्सा सुविधा भी मिलती हैं।

उत्तर प्रदेश के पनकी में क.रा.बी. औषधालय और शाखा कार्यालय का उद्घाटन

कानपुर, उत्तर प्रदेश के पनकी में 2.5 करोड़ रुपये से 1020 वर्ग मीटर में क.रा.बी. औषधालय और शाखा कार्यालय का निर्माण किया गया है जहां 1.5 लाख से अधिक हितलाभार्थियों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं दी जाएंगी। इसमें आपातकालीन सेवाएं, ओपीडी, फार्मेसी और क.रा.बी. हितलाभार्थियों को नकद हितलाभ देने के लिए शाखा कार्यालय स्थित है।

आज़ादी का अमृत महोत्सव के दौरान क.रा.बी.निगम में गतिविधियों पर केलिडोस्कोप

क.रा.बी.निगम ने पूरे भारत के अपने विभिन्न केंद्रों पर स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव और स्मरण समारोह मनाया, जिनकी कुछ झलकियां नीचे दी गई हैं:

अस्पताल/कार्यालय भवन में प्रकाश व्यवस्था

आज़ादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अस्पताल/कार्यालय भवनों को रोशन किया गया।

परिसर और आसपास के क्षेत्रों की सफाई के लिए विशेष अभियान का संचालन

आज़ादी का अमृत महोत्सव के भाग के रूप में विभिन्न अस्पतालों/कार्यालयों समेत विभागीय कक्ष, लैब, पार्किंग क्षेत्र, उद्यान, आवासीय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।

कर्मचारियों ने सफाई अभियान चला कर कार्यालय की पुरानी फाइलों और अभिलेखों की छंटनी की और उन्हें अभिलेखबद्ध किया।

जैव – चिकित्सा अपशिष्ट पृथक्करण

क.रा.बी.निगम अस्पतालों में हरे और नीले कूड़ेदानों के उपयोग सहित अपशिष्ट पृथक्करण पर एक प्रदर्शन भी किया गया।

वृक्षारोपण अभियान

विभिन्न परिसरों में फूल, बिना फूल वाले पौधे, औषधीय पौधे आदि लगाए गए।

स्वास्थ्य वार्ता

बीमाकृत व्यक्तियों को जागरूक बनाने के लिए विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें उन्हें अच्छी सेहत बनाए रखने के सुझाव दिए गए।

स्वास्थ्य जांच शिविर

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए जिनमें डॉक्टर, नर्स और पैरा–मेडिकल स्टाफ ने विभिन्न स्थानों का दौरा किया। बीमाकृत व्यक्तियों की जांच की गई तथा कुछ आवश्यक दवाईयों के साथ चिकित्सा परामर्श दिए गए।

ESIC Model Hospital
Medical Camp for

FREE HEALTH CHECK-UP CAMP IN COLABORATION WITH ESIC
ESIC ৰ উদ্যোগত
বিনামূলীয়া স্বাস্থ্য পৰিক্ষণ শিবিৰ
দিনাংক ঃ ২৪ নবেম্বৰ, ২০২১ বুধবাৰ

आज़ादी का अमृत महोत्सव के गौरवमयी सप्ताह के लिए नियोजित गतिविधियां

बिल भुगतान का विशेष अभियान

विभिन्न लंबित बिलों जैसे कि थर्ड पार्टी बिलों, दावों, निबद्ध अस्पतालों के बिलों, हाउसकीपिंग बिलों, डायग्नोस्टिक लैब के बिलों आदि के भुगतान के लिए विशेष समर्पित अभियान चलाए जाएंगे। इस अभियान का विशेष महत्व है क्योंकि अनेक लाभार्थी अपने बिलों के भुगतान में या उनके निपटान में विलंब की शिकायत करते हैं। इस विलंब से बीमाकृत कामगारों के आगे के उपचार में बाधा हो सकती है।

स्वच्छ भारत के लिए विशेष स्वच्छता अभियान

माननीय प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन के साथ गौरवमयी सप्ताह को जोड़ते हुए, फील्ड कार्यालयों/अस्पतालों/चिकित्सा महाविद्यालयों के परिसरों में भी विशेष स्वच्छता अभियान चलाए जाएंगे। अपने आस–पास के परिवेश को साफ रखना, सूखे कचरे से गीले कचरे को अलग करते हुए कचरे का स्वच्छ निपटान इस तरह के अभियान की विशेषता है।

40 वर्ष से अधिक आयु के बीमाकृत व्यक्तियों के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर

निवारक स्वास्थ्य जांच शिविरों की प्रायोगिक परियोजना के सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद 40 वर्ष से अधिक आयु के कामगारों के लिए 16 शहरों के औद्योगिक क्लस्टरों में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाएंगे, ताकि किसी भी रोग की जांच करने और उसका जल्दी पता लगाने में मदद मिल सके।

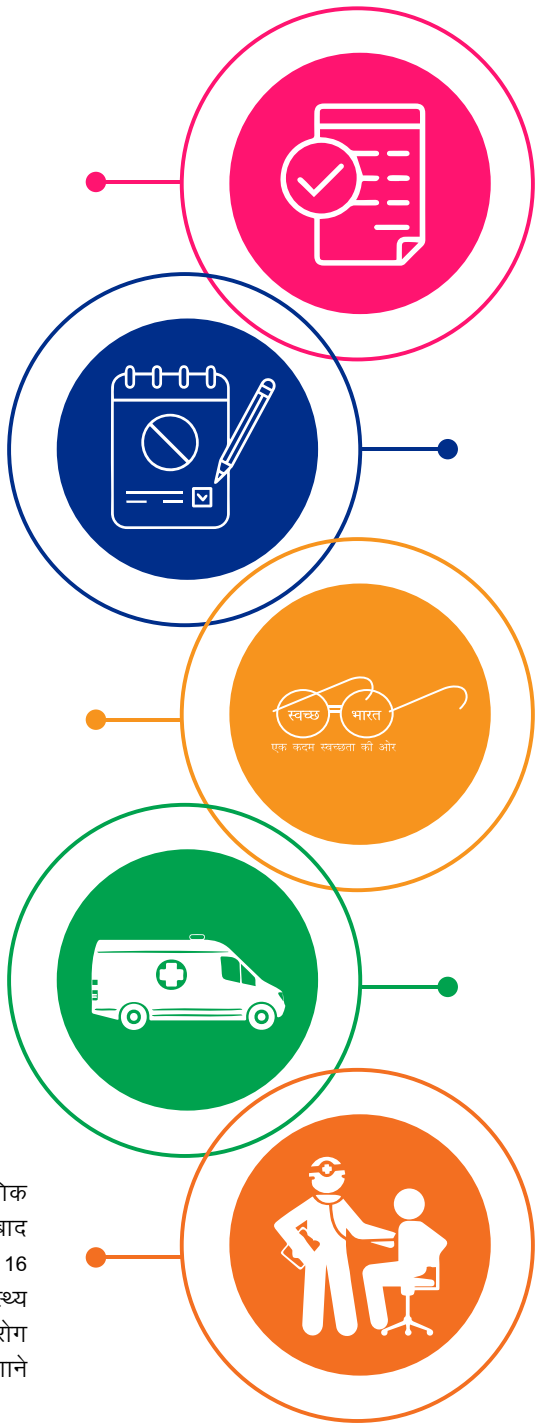

जन शिकायतों का जल्द निवारण

इस गौरवमयी सप्ताह के दौरान बीमाकृत व्यक्तियों और उनके लाभार्थियों की लंबे समय से लंबित शिकायतों के निवारण के लिए विशेष शिविर भी लगाए जाएंगे। शिविरों में बड़ी संख्या में लोग अपनी–अपनी शिकायतें लेकर आते हैं जिन्हें क.रा.बी.निगम सामान्य शीर्षों में संकलित कर सकता है, ताकि उनका आसानी से निवारण किया जा सके। शिविरों में बीमाकृत व्यक्तियों की सक्रिय भागीदारी से किसी मामले में उनकी शिकायत को स्पष्ट रूप से समझने में सहायता करते हैं।

स्वास्थ्य जांच शिविर और मोबाइल स्वास्थ्य जांच वाहनों की तैनाती

बीमाकृत व्यक्तियों और उनके लाभार्थियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाएंगे। साथ ही, दूर–दराज के क्षेत्रों में रहने वाले बीमाकृत व्यक्ति और उनके लाभार्थी स्वास्थ्य जांच शिविरों तक आसानी से पहुँच सकें, इसके लिए मोबाइल स्वास्थ्य जांच शिविर अभिनियोजित किए जाएंगे। दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचनें और रोगों का शीघ्र पता लगाने तथा उपचार करने में मोबाइल स्वास्थ्य जांच वाहनों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। मोबाइल जांच और स्वास्थ्य शिविरों का तालमेल दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनके घरों के नज़दीक अथवा पड़ोस में कुशल चिकित्सकों द्वारा उनके स्वास्थ्य को मॉनिटर करने, चिकित्सा जांच करने तथा उचित उपचार का सुझाव की सुविधा प्राप्त करने में मदद करता है।

बढ़ती सामाजिक सुरक्षा से बेहतर होता जीवन

आगामी परियोजनाएं

सभी के लिए स्वास्थ्य सुविधा – सरकार की इस संकल्पना के उप–साहय के रूप में क.रा.बी.निगम का निरंतर यह प्रयास रहा है कि नए जिलों में बढ़ती आबादी की जरूरतें पूरी करने के लिए नई सुविधाएं सृजित की जाएं और लोगों को यथासंभव उनके नजदीक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसे ध्यान में रखते हुए क.रा.बी. निगम चिकित्सा महाविद्यालयों और अस्पतालों की श्रृंखला स्थापित कर रहा है ताकि बीमाकृत लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा सके। चिकित्सा महाविद्यालयों द्वारा प्रदान किए जाने वाले स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा आस–पड़ोस के युवाओं के कौशल विकास में क.रा.बी. निगम के लिए एक नया क्षेत्र है ताकि हैल्थकेयर डिलीवरी तंत्रों के सामंजस्यपूर्ण परिवेश का निर्माण किया जा सके। चिकित्सा शिक्षा और चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना जैसे अनछुए क्षेत्रों में क.रा.बी. निगम की कुछ नई पहल का उल्लेख नीचे किया गया है।

ओड़िशा के अंगुल में 100 बिस्तरों वाले क.रा.बी. अस्पताल का उद्घाटन

ओड़िशा के अंगुल में 64.67 करोड़ रु. की लागत से 4.8 एकड़ क्षेत्र में स्टाफ क्वार्टरों सहित 100 बिस्तरों का क.रा.बी. अस्पताल स्थापित किया गया है, राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। अस्पताल में ओपीडी ब्लॉक, इमरजेंसी ओटी के साथ हताहत ब्लॉक, एक्स–रे के साथ रेडियोलॉजी, अल्ट्रासाउंड, ईसीजी, सैंपल कलेक्शन, चिकित्सा/सर्जिकल स्टोर आदि सेवाएं भी हैं।

झारखंड के आदित्यपुर में 100 बिस्तरों वाले क.रा.बी. अस्पताल का उद्घाटन

झारखंड के आदित्यपुर में 9.68 एकड़ क्षेत्र में स्टाफ क्वार्टरों सहित 100 बिस्तरों वाले क.रा.बी. अस्पताल को स्थापित किया गया है। इसमें आपातकालीन वार्ड और आपातकालीन ओटी, रेडियोलॉजी, ओपीडी, कंसल्टेंट्स रूम, अल्ट्रासाउंड, आई.सी.यू, पुरुष और महिला अंतः–रोगी विभाग, प्रयोगशाला सेवाएं आदि उपलब्ध हैं।

राजस्थान के उदयपुर में 100 बिस्तरों वाले क.रा.बी. अस्पताल का उद्घाटन

राजस्थान के उदयपुर में 80.10 करोड़ रु. की लागत से 6.40 एकड़ में फैले 100 बिस्तरों वाले क.रा. बी. अस्पताल का उद्घाटन किया गया। इसमें ओपीडी, आपातकालीन, रेडियोलॉजी, ओटी, वार्ड ब्लॉक, लेबर रूम, प्रयोगशाला सेवाएं जैसी सुविधाएं हैं।

कर्नाटक के बोम्मासांद्रा में 200 बिस्तरों वाले प्रस्तावित क.रा.बी. निगम अस्पताल का शिलान्यास

कर्नाटक के बोम्मासांद्रा में पांच एकड़ से अधिक क्षेत्र में 170 करोड़ रुपये की लागत से 200 बिस्तरों वाला क.रा.बी. निगम अस्पताल स्थापित किया जा रहा है जिसमें ओपीडी, आईपीडी, वार्ड, डायग्नोस्टिक सेवाएं, आईसीयू, ऑपरेशन थियेटर, आयुर्वेदिक इकाइयां और अन्य कई सुविधाएं होंगी, जो बोम्मासांद्रा और आसपास क्षेत्रों के क.रा.बी. हितलाभार्थियों को सेवाएं प्रदान करेगी।

तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में 100 बिस्तरों वाले प्रस्तावित क.रा.बी. अस्पताल का शिलान्यास

तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में 120 करोड़ रु. की लागत से 100 बिस्तरों का अस्पताल पांच एकड़ में विस्तृत होगा। इसमें सेंट्रल रजिस्ट्रेशन, सैंपल कलेक्शन, कैजुअल्टी कॉम्प्लेक्स से लेकर रेडियोलॉजी, ओपीडी कॉम्प्लेक्स, मेडिकल स्टोर, सेंट्रल फ़ार्मेसी, फ़िज़ियोथेरेपी, योग, वार्ड, ओ.टी., प्रयोगशाला आदि सुविधाएं होंगी।

मध्य प्रदेश के पीथमपुर में 100 बिस्तरों वाले प्रस्तावित क.रा.बी. अस्पताल का शिलान्यास

मध्य प्रदेश के पीथमपुर में 8.21 एकड़ के परिसर क्षेत्र में 121 करोड़ रु. की लागत से 100 बिस्तरों वाले अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। इसमें सेंट्रल रजिस्ट्रेशन, सैंपल कलेक्शन, कैजुअल्टी कॉम्प्लेक्स (आइसोलेशन रूम, पुनरुज्जीवन रूम, कैजुअल्टी वार्ड, फ्रैक्चर क्लिनिक, ईसीजी), रेडियोलॉजी, ओपीडी कॉम्प्लेक्स, मेडिकल स्टोर, सर्जिकल स्टोर, सेंट्रल फार्मेसी, फ़िज़ियोथेरेपी, आईसीयू, योग, प्रयोगशाला सेवाएं आदि सुविधाएं हैं।

राजस्थान के अलवर में क.रा.बी. निगम चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल

अलवर में 100 एमबीबीएस एडमिशनों के साथ क.रा.बी. निगम चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित किया गया है जिसमें छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक आधुनिक सुख–सुविधाएं हैं। चिकित्सा महाविद्यालय में बीमाकृत व्यक्तियों के प्रतिपाल्यों के लिए भी सीटें आबंटित की गई हैं। अलवर में 36.70 एकड़ क्षेत्रफल में फैला चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल लगभग 940 करोड़ रु. की लागत से बनाया गया है। चिकित्सा महाविद्यालय से जुड़े 500 बिस्तरों के अस्पताल में डॉक्टरों और सहायक कर्मचारियों के लिए होस्टल और आवासीय सुविधाएं हैं। इसमें 10 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, 30 बिस्तरों वाला गहन चिकित्सा एकक (आईसीयू) है जिनमें पीआईसीयू, एनआईसीयू, सर्जिकल आईसीयू, स्त्री और प्रसूति रोग आईसीयू, आईसीसीयू बिस्तर हैं। पीएसए ऑक्सीजन जेनरेटर संयंत्र और तरल मेडिकल ऑक्सीजन संयंत्र हैं। अस्पताल में एक्स–रे, अल्ट्रासोनोग्राफी, सीटी स्कैन सेवाओं जैसी रेडियो–डॉयग्नोस्टिक सेवाओं के साथ–साथ पैथोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री और माइक्रोबायोलॉजी विभाग में प्रयोगशाला सेवाएं उपलब्ध हैं। मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक सुविधा से लैस है।

माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्री, श्री भूपेन्द्र यादव द्वारा दिनांक 29.01.2022 को आरटी–पीसीआर का उद्घाटन

क.रा.बी. निगम चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, बिहार, बिहटा

बिहटा में 100 एमबीबीएस सीटों के साथ क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित किया गया है जिसमें छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए जरुरी आवश्यक आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय, बिहटा में बीमाकृत व्यक्तियों के प्रतिपाल्यों के लिए भी सीटें आबंटित की गई हैं। बिहटा में 27.29 एकड़ क्षेत्र में फैला चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल लगभग 660 करोड़ रु. की लागत से बना है।

चिकित्सा महाविद्यालय से जुड़े 500 बिस्तरों वाले क.रा.बी. निगम अस्पताल में डॉक्टरों और सहायक कर्मचारियों के लिए होस्टल एवं आवासीय सुविधाएं हैं। इसमें 10 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, 30 बिस्तरों वाले गहन चिकित्सा एकक (आईसीयू) में पीआईसीयू, एनआईसीयू, सर्जिकल आईसीयू, स्त्री और प्रसूति रोग आईसीयू, आईसीसीयू बिस्तर शामिल हैं। पीएसए ऑक्सीजन जनरेटर संयंत्र और तरल चिकित्सा ऑक्सीजन संयंत्र हैं। पैथोलॉजी, बॉयोकैमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी विभाग में प्रयोगशाला सुविधाओं के साथ रेडियो–डायग्नोसिस सेवाएं जैसे एक्स–रे, अल्ट्रासोनोग्राफी, सी.टी. स्कैन सेवाएं उपलब्ध हैं। चिकित्सा महाविद्यालय में सभी सुविधाओं से युक्त ब्लड बैंक है। कार्डियोलॉजी, यूरोलॉजी, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, पेडियाट्रिक सर्जरी में अतिविशेषज्ञता सेवाएं शुरु कर दी गई हैं।

कोविड की चुनौती पर विजय

कोविड के दौरान क.रा.बी. निगम

कोविड 19 हमारे देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी जिसने संपूर्ण स्वास्थ्य व्यवस्था को गंभीर दबाव में ला दिया।

अपनी मेडिकेयर सेवाओं पर गंभीर दबाव पड़ने के कारण क.रा.बी. निगम ने अनेक चुनौतियों का सामना किया। संगठन ने अपने अधिकतर अस्पतालों को कोविड संक्रमित मरीजों के उपचार के लिए समर्पित करके इस भयंकर संकट का सामना किया। संक्रमित मरीजों को राहत देने के लिए 33 क.रा.बी. निगम अस्पतालों में लगभग 4000 बिस्तर कोविड के लिए समर्पित थे। साथ ही, 400 से अधिक वेंटिलेटर लगाए गए थे। क.रा.बी. निगम अस्पतालों में लगभग 50,000 रोगियों का उपचार किया गया। इनमें न केवल क.रा.बी. के लाभार्थी बल्कि गैर–बीमाकृत व्यक्ति भी शामिल थे।

लुधियाना के क.रा.बी.निगम मॉडल अस्पताल में 1000 एलपीएम का पीएसए संयंत्र संस्थापित किया गया

प्लाज़्मा थेरेपी मरीजों के लिए उपचार के रूप में सामने आया। क.रा.बी. निगम चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल फरीदाबाद और क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, सनतनगर, हैदराबाद ने मरीजों को बचाने के लिए प्लाज़्मा थेरेपी का रास्ता चुना।

जहां ऐसे नए उपचार उपलब्ध नहीं थे, वहां क.रा.बी.निगम ने बीमाकृत व्यक्तियों को पैनलबद्ध निबद्ध अस्पतालों के माध्यम से वैकल्पिक अस्पताल और चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराईं। बीमाकृत व्यक्तियों को कोविड समर्पित केन्द्रों से सामान्य स्वास्थ्य शिकायतों के लिए अन्य अस्पतालों में भेजने से राहत मिली।

कोविड–19 की लहर में बड़ी संख्या में दाताओं ने क.रा.बी. निगम अस्पतालों को दिल खोल कर आर्थिक योगदान किया जिससे अस्पताल बीमारी के फैलाव की रोकथाम करने में सफल रहे।

क.रा.बी.निगम कोविड-19 राहत योजना में अंशदायी शर्त में रियायत

चूंकि कोविड–19 के कारण कुछ पात्रता नियमों के पूर्ण करने में दिक्कतें हुई, इसलिए क.रा.बी. निगम प्रबंधन ने हितलाभार्थियों को राहत देने और प्रतिबंधों में रियायत देने के लिए प्रावधानों पर फिर से विचार किया।

कोविड–19 के कारण मरने वाले बीमाकृत व्यक्तियों के प्रभावित परिवारों की मदद करने के लिए क.रा.बी. निगम ने कोविड–19 राहत योजना शुरू की। निगम ने इस योजना के अंतर्गत पात्रता के लिए अंशदायी शर्त को 70 दिन से घटाकर 35 दिन करने की मंजूरी दी।

क.रा.बी. निगम अस्पतालों की महिला कोरोना योद्धाओं के अनुकरणीय योगदान और अद्वितीय सेवाओं के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। उन्होंने संक्रमितों की देखरेख और उपचार निस्स्वार्थ भाव से किया। विभिन्न श्रेणियों में कुल 23 प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय, सनतनगर में नई सेवाओं का शुभारंभ

समय की मांग देखते हुए, विभिन्न क्षेत्रों में नई पहल शुरू करने का मौका था। इसका एक शानदार उदाहरण था केयर प्वाइंट बनाना, जो एक प्रयोक्तानुकूल सैम्पल प्रोसेसिंग केन्द्र है। कई जगहों पर इसकी व्यवस्था की गई।

इसे इन्नोवेटिव पोर्टेबल पॉइंट ऑफ़ केयर नाम दिया गया था, जो कोविड रोगियों के लिए तीव्र सैंपल प्रॉसेस करने का एक साधन है। इसे सनत नगर चिकित्सा महाविद्यालय में उपलब्ध कराया गया था।

एक अन्य विशिष्टता थी – रिमोट हैल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम – कोविड और गैर–कोविड रोगियों के लिए कोविड बीप सेवाएं। यह पहनने योग्य उपकरण के रूप में सर्व–समावेशी स्वदेश में तैयार शरीरक्रियात्मक पैरामीटर मॉनीटरिंग सिस्टम था जिससे हृदय गति, रक्तचाप, शरीर के तापमान, श्वसन दर और ऑक्सीजन संतृप्ति की दूर से माप की जा सकती थी, जिससे कोविड से पीड़ित मरीज के अनिवार्य विवरण की जांच करने के लिए निहायत ही ज़रूरी था ताकि उन्हें देखने वाले डॉक्टरों को समय पर कदम उठाने में मदद मिले।

क.रा.बी.निगम अस्पतालों ने कोविड के दौरान जन्में नवजात शिशुओं के लिए और एक अभिनव प्रयास किया गया था। उस निमित्त नवजात शिशुओं को संभव संक्रमणों और बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए कोविड सेफ इन्क्यूबेटर बनाए गए। ये इन्क्यूबेटर स्वदेशी थे और इन्हें नवजात शिशुओं को पेश आ रही चुनौतियों का सामना करने के दृष्टिकोण से पूरी तरह अनुकूलित और संशोधित किया गया था।

भविष्य की तैयारी

कोविड–19 द्वारा उत्पन्न संकट पर काबू करने के बाद क.रा.बी.निगम की अगली चुनौती ऐसी नई योजनाएं, कार्यक्रम और नई पहल करने की थी जो इसकी हैल्थकेयर प्रणाली को सुदृढ़ आधार पर रखे और देशभर में बीमाकृत व्यक्तियों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवा और उपचार देने में सहायक बने।

संगठन ने अपने 70 वर्षों के सफर में बहुत–सी उपलब्धियां हासिल की हैं, अपने लक्षित समूहों को सामाजिक सुरक्षा कवर देकर अपनी हितलाभ योजनाओं के माध्यम से कामगार श्रेणी की देखभाल की है। क.रा.बी. निगम अपने बीमाकृत व्यक्तियों के लिए हितलाभों, डिलीवरी प्रणालियों, और विश्वस्तरीय उपचार के नए क्षेत्र में निरंतर कार्य करता रहता है।

इसके मद्देनजर, क.रा.बी.निगम ने संगठित क्षेत्र के प्रत्येक कामगार को कुशलतापूर्वक और कारगर तरीके से हितलाभ देने की एक प्रमुख योजना बनाई है। सामाजिक सुरक्षा संहिता पारित होने के साथ गिग इकॉनमी और असंगठित क्षेत्रों के कामगार भी क.रा.बी. योजना के लाभ उठा सकते हैं। ऐसी योजना के मुख्य संघटक हैं:

- ऐसे क्षेत्रों में क.रा.बी.निगम अस्पताल बनाने की योजना जिनमें 1 लाख से अधिक बीमाकृत व्यक्ति हों।
- अन्य सरकारी योजनाओं के साथ साझेदारी/गठजोड़।
- न्यून–प्रयुक्त अस्पतालों और अन्य निर्माणाधीन अस्पतालों के लिए भी पीपीपी मॉडल।

लाभार्थियों से जुड़ाव बढ़ा कर बेहतर सेवा देना

क.रा.बी.निगम ने कोविड परिस्थिति को संभालने से मिली सीख का उपयोग अपने चिकित्सा तंत्र में और देश के लोगों की सेवा करने में किया। लेकिन कई बार प्रदायगी की दृष्टि से कतिपय चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। भविष्य में सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता में सुधार लाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जाएंगे – पोर्टल में बदलाव कर लाभार्थियों से जुड़ाव बढ़ाना, बहुभाषी कॉल सेंटर स्थापित करना ताकि सभी भाषा–भाषी उपयोग कर सकें और किसी मुसीबत में राहत प्राप्त करने की प्रक्रिया समझें। बीमाकृत व्यक्तियों के जोखिम कारकों को कम करने के लिए निवारक स्वास्थ्य जांच का आयोजन ताकि डॉक्टर और विशेषज्ञ समय पर कार्रवाई करने में सक्षम हो सकें। लाभार्थी की फीडबैक लेने की शुरुआत करना ताकि गंभीर खामियों और त्रुटियों का पता लगे और दूर किए जाएं। आस–पड़ोस के निवासियों के बारे में ज़मीनी जानकारी रखने वाले समुदाय के स्थानीय नेताओं को शामिल करना और बीमित व्यक्ति को अनुकूलित समाधान डिलीवर करने के लिए नीतियां दुरुस्त करने में उनकी मदद लेना। साथ ही, मध्यम अवधि के एक उपाय के रूप में 'श्रमिक मित्र' का तंत्र एक प्रमुख आउटरीच अभियान के रूप में डेवलप करने का प्रस्ताव है। मौजूदा चिकित्सा हेल्पलाइन को मेडिकल परामर्श के लिए टेलीमेडिसिन सुविधा के साथ एकीकृत किया जा सकता है।

नेटवर्क का विस्तार

क.रा.बी. निगम बीमाकृत व्यक्तियों और उनके आश्रितों की देखरेख करने के लिए क्लीनिकों, अस्पतालों और औषधालयों के अपने नेटवर्क का विस्तार करके अपनी मौजूदगी बढ़ाना चाहता है और कवरेज का विस्तार करना चाहता है। जो इसने निमित्त एक कार्य योजना तैयार की है जिसमें शामिल हैं:

बुनियादी संरचना और इसकी सेवाओं में पूरी तरह सुधार करके इसे बेहतर करना। संगठन की कार्य संस्कृति में सुधार लाना, दक्षता के मानक और अस्पतालों/औषधालयों के कामकाज को और बेहतर करना। कुछ चिकित्सा केंद्रों का पीपीपी मॉडल में संचालन।

डीसीबीओ की स्थापना

देश के अधिक से अधिक संभव क्षेत्रों में सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने के लिए सीधे क.रा.बी. निगम द्वारा संचालित औषधालय–सह–शाखा कार्यालय (डीसीबीओ) स्थापित किए गए हैं। वर्तमान में, पहले से ही 68 डीसीबीओ कार्यरत हैं और 10 नए डीसीबीओ तैयार हो रहे हैं।

चिकित्सा शिक्षा का और अधिक विस्तार

क.रा.बी.निगम ने अपनी सेवाओं के स्कोप का विस्तार करके औषधालयों, अस्पतालों के अपने नेटवर्क को सशक्त किया और क.रा.बी.निगम चिकित्सा कॉलेजों एवं अस्पतालों के नेटवर्क के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा में कदम रखा।

चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश करने के साथ क.रा.बी. निगम ने अपने मेडिकल केयर की गुणवत्ता में सुधार कर हितलाभार्थियों को अतिरिक्त हितलाभ प्रदान करना शुरु कर दिया है।

क.रा.बी.निगम ने पूरे देश में शिक्षण संस्थानों की स्थापना की है ताकि स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बहुमूल्य मानव संसाधन का निर्माण हो सके। वर्तमान में, क.रा.बी.निगम निम्नलिखित संस्थानों का संचालन कर रहा है:

क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, राजाजीनगर, बंगलूरु

पाठ्यक्रम का आरंभः 2012–13 {100 एमबीबीएस}

प्रवेश संख्या में वृद्धि*: 2020–21* {125 एमबीबीएस}

क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, गुलबर्गा, कर्नाटक

पाठ्यक्रम का आरंभः 2013–14 {100 एमबीबीएस}

प्रवेश संख्या में वृद्धि*: 2020–21* {125 एमबीबीएस}

क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, के.के. नगर, चेन्नई

पाठ्यक्रम का आरंभः 2013–14 {100 एमबीबीएस}

प्रवेश संख्या में वृद्धि*: 2020–21* {125 एमबीबीएस}

क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, फरीदाबाद, हरियाणा

पाठ्यक्रम का आरंभः 2015–16 {100 एमबीबीएस}

प्रवेश संख्या में वृद्धि*: 2020–21* {125 एमबीबीएस}

क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, जोका, कोलकाता

पाठ्यक्रम का आरंभः 2013–14 {100 एमबीबीएस}

प्रवेश संख्या में वृद्धि*: 2020–21* {125 एमबीबीएस}

क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, सनतनगर, हैदराबाद

पाठ्यक्रम का आरंभः 2016–17 {100 एमबीबीएस}

प्रवेश संख्या में वृद्धि*: 2020–21* {125 एमबीबीएस}

क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, बिहटा–पटना, बिहार

पाठ्यक्रम का आरंभः 2021–22 {100 एमबीबीएस}

क.रा.बी.निगम दंत चिकित्सा महाविद्यालय, गुलबर्गा, कर्नाटक

पाठ्यक्रम का आरंभः 2017–18 {50 बीडीएस}

प्रवेश संख्या में वृद्धि*: 2020–21* {62 बीडीएस}

क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, अलवर, राजस्थान

पाठ्यक्रम का आरंभः 2021–22 {100 एमबीबीएस}

क.रा.बी.निगम दंत चिकित्सा महाविद्यालय, रोहिणी, दिल्ली

पाठ्यक्रम का आरंभः 2010–11 {50 बीडीएस}

प्रवेश संख्या में वृद्धि*: 2020–21* {62 बीडीएस}

नर्सिंग महाविद्यालय, इंदिरानगर, बेंगलुरू
पाठ्यक्रम का आरंभः 2013 {40 बी.एससी नर्सिंग}
प्रवेश संख्या में वृद्धि*: 2020 {46 बी.एससी–नर्सिंग}

जीएनएम के लिए क.रा.बी.निगम नर्सिंग विद्यालय, बापूनगर, गुजरात
पाठ्यक्रम का आरंभः मई 2011, सीटें 20 से बढ़ाकर 22 की गईं

नर्सिंग महाविद्यालय, गुलबर्गा, कर्नाटक
पाठ्यक्रम का आरंभः 2015 {40 बी.एससी नर्सिंग}
प्रवेश में वृद्धि*: 2020 {46 बी.एससी–नर्सिंग}

क.रा.बी.निगम पैरा–मेडिकल संस्थान, गुलबर्गा, कर्नाटक
पाठ्यक्रम का आरंभः 2019–20
प्रवेश संख्या में वृद्धि*: 130 छात्र प्रतिवर्ष

क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, बिहटा, पटना

क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय बिहटा के पहले बैच के छात्रों के लिए स्मार्ट क्लास रूम।

क.रा.बी.निगम चिकित्सा कॉलेज और अस्पताल, फरीदाबाद

माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्री, श्री भूपेन्द्र यादव ने 12 फरवरी को यहां कैथ लैब का उद्घाटन किया। अस्पताल में एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

कोक्लियर इम्प्लांट और नवजात की श्रवण जांचः क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, फरीदाबाद में जन्म से मूक–बधिर 10 बच्चों का कोक्लियर इम्प्लांट किया गया।

क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, अलवर, राजस्थान

- यहां नव स्थापित चिकित्सा महाविद्यालय में इन–हाउस सुविधाएं जैसे कि एक्स–रे, यूएसजी, लैब, आरटीपीसीआर कोविड लैब, ब्लड बैंक, मॉड्यूलर–ओटी, पीएसए प्लांट, एलएमओ टैंक, कोविड स्किल लैब सभी उपलब्ध हैं।
- विशेष सेवाएंः ई–संजीवनी, बीमाकृत व्यक्ति (>40 वर्ष) के लिए वार्षिक निवारक स्वास्थ्य जांच

क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, सनतनगर, हैदराबाद

क.रा.बी. में पहली ओपन–हार्ट सर्जरी 11 नवंबर, 2021 को की गई, जो एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट का मामला था। उसके बाद माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट और फिर कोरोनरी आर्टरी बाईपास सर्जरी की गई। विभाग, 2021 में 10 हार्ट सर्जरी सफलतापूर्वक कर सका। विभाग ने 450 सर्जरी (साधारण और भारी) की है जिसमें भांति–भांति की लंग सर्जरी, वस्कुलर सर्जरी शामिल है।

रीनल ट्रांसप्लांट सर्जरीः पहली रीनल ट्रांसप्लांट सर्जरी नवंबर 2021 में की गई। यह किडनी रोग की अंतिम अवस्था के रोगियों के लिए एक अत्यधिक उन्नत, तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण सर्जरी है। क.रा.बी. निगम सनतनगर में क.रा.बी. निगम के अति कुशल सर्जनों ने यह सर्जरी सफलतापूर्वक की। अब, यह केंद्र पूरे भारत के अधिक से अधिक मरीजों की सर्जरी करने के लिए तैयार और पूर्ण सुविधायुक्त है।

क.रा.बी.निगम अति–विशिष्टता अस्पताल, सनतनगर के वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम कैंसर उपचार के लिए आए बच्चों से बात करते हुए।

क.रा.बी.निगम चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, केके नगर, चेन्नई

इको क्लब 'थुलीर' (तमिल भाषा में पौधा) का शुभारंभ किया गया जिसका उद्देश्य युवा मेडिकल विद्यार्थियों के मन–मस्तिष्क में पर्यावरण–हितैषी भाव जगाना है और उन्होंने ग्रीन पहल करके परिसर में 400 पेड़ और 300 पौधे लगाए। इससे मेडिकल छात्रों में पर्यावरण के प्रति अनुकूल भाव रखने की भावना बढ़ी है और इसने अस्पताल और चिकित्सा महाविद्यालय परिसर को हरा–भरा बनाने में योगदान दिया है।

कुशल देखरेख से समृद्ध जीवन - बीमाकृत व्यक्ति के प्रशस्ति पत्र

“

क.रा.बी.निगम ओखला में बीमाकृत व्यक्ति राजेश कुमार, बीमा सं. 1013823322 की पुत्री ऋधिमा (उम्र 15 वर्ष) का उपचार किया गया जिसे गंभीर एप्लास्टिक एनीमिया था और जिसके लिए अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण ज़रूरी था जो लगभग 15 लाख रु. की लागत से किया गया।

”

“

क.रा.बी.निगम अस्पताल बसईदारापुर में अशोक सिंह, बीमा सं. 2206567936 के पुत्र धर्मेंद्र सिंह का उपचार किया गया जो एमपीएस। (हर्लर्स सिंड्रोम) पीड़ित था। उनकी इंजे. अल्ड्यूराज़ाइम के साथ 4 महीने एंज़ाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी (ERT) की गई। कुल 68.79 लाख रु. की लागत आई।

”

“

क्षेत्रीय कार्यालय केरल के तहत, क.रा.बी.निगम अस्पताल में सैली जैकब, बीमा सं. 5403709725 के पुत्र इविन नैश बीनू के आनुवंशिक रोग स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) टाइप।। के उपचार में रिसिडीप्लाम दवा पर 34.94 लाख रु. खर्च किए गए।

”

“

क.रा.बी.निगम अस्पताल बसईदारापुर के तहत भगवत दयाल, बीमा सं. 1107205794 की पुत्री ऋषिता रानी के एमपीएस। (हर्लर्स सिंड्रोम) के उपचार में 4 महीने एंज़ाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी (ईआरटी) पर 42.99 लाख रु. का व्यय किया गया।

”

“

क.रा.बी.निगम नोएडा के तहत लाल सिंह पाल पिता नितिन पाल, बीमा सं. 6716886090 के मेटास्टैटिक सीए यूरिनरी ब्लैडर के उपचार में अवेलुमाब की सुई पर 17.35 लाख का व्यय किया गया।

”

“

क.रा.बी.निगम अस्पताल जयपुर के तहत मो. हिदायत पुत्र मुहम्मद आरिफ बीमा सं. 1510561680 के एमपीएस।। (हंटर्स सिंड्रोम) के उपचार में एंज़ाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी (ईआरटी) पर 72.21 लाख रु. का व्यय किया गया।

”

“

क्षेत्रीय कार्यालय उत्तराखंड के तहत आरव बंसल पुत्र आंचल बंसल, बीमा सं. 6112197848 के एमपीएस ।। (हंटर्स सिंड्रोम) के उपचार में एंज़ाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी (ईआरटी) पर 55.55 लाख रु. का व्यय किया गया।

”

“

क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली के तहत कुमुद देवी पत्नी और परिवार स्वर्गीय सुचित कुमार बीमा सं. 1114271631 क.रा.बी.निगम कोविड–19 राहत योजना के तहत आश्रितजन हितलाभ स्वरूप 15,550 रु. प्रति माह पेंशन प्राप्त कर रहा है।

”

“

क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली के तहत रंजना देवी पत्नी और परिवार स्वर्गीय संजय यादव, बीमा सं. 1115249913 क.रा.बी. निगम कोविड–19 राहत योजना के तहत आश्रितजन हितलाभ स्वरूप 17,000 रु. प्रति माह पेंशन प्राप्त कर रहा है।

”

“

क्षेत्रीय कार्यालय भुवनेश्वर के तहत स्नेहमयी साहू पत्नी और परिवार स्वर्गीय समीर कुमार साहू बीमा सं. 4403343127 क.रा.बी.निगम कोविड–19 राहत योजना के तहत आश्रितजन हितलाभ स्वरूप 14,229 रु. प्रति माह पेंशन प्राप्त कर रहा है।

”

“

क्षेत्रीय कार्यालय भुवनेश्वर के तहत जस्मीन नायक पत्नी और परिवार स्वर्गीय संदीप कुमार बेहरा, बीमा सं. 4404009661 क.रा.बी.निगम कोविड–19 राहत योजना के तहत आश्रितजन हितलाभ स्वरूप 18,661 रु. प्रति माह पेंशन प्राप्त कर रहा है।

”

उप क्षेत्रीय कार्यालय तिरुवनंतपुरम के तहत गिरिजा ओ पत्नी सपरिवार स्वर्गीय बालचंद्रन बी, बीमा सं. 48010189350 क.रा.बी.निगम कोविड–19 राहत योजना के तहत आश्रितजन हितलाभ स्वरूप 12,480 रु प्रति माह पेंशन प्राप्त कर रहा है।

क.रा.बी.निगम अस्पताल बसईदरापुर के तहत धर्मेंद्र व उनके भाई विशाल पुत्र अशोक सिंह, बीमा सं. 2206567936 के एमपीएस। (हर्लर्स सिंड्रोम) के उपचार में एंज़ाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी (ईआरटी) के लिए वार्षिक आधार पर लगभग 1 करोड़ रु. का व्यय किया जा रहा है।

क्षेत्रीय कार्यालय भुवनेश्वर के तहत रंजिता सा, त्रिपुथी पांडा, भारती लता साहू, रजनी पाहिल और उनके परिवार पत्नी स्व. अभिमन्यु सा, बीमा सं. 4404291245, स्वर्गीय ब्रह्मानंद पांडा, बीमा सं. 440838909, स्वर्गीय रवींद्र साहू बीमा सं. 440679094 और स्वर्गीय गणेश चंद्र पाहिल बीमा सं. 4400838756 राउरकेला इस्पात संयंत्र में दुर्घटना के कारण आश्रितजन हितलाभ प्राप्त कर रहे हैं।

ESIC Trending on Social Media

ESI Scheme is based on the Gandhian principle of "contributions as per their ability and benefits as per the requirement".

PM @narendramodi

Feb. 2, 2016

The new ESIC hospital will serve my sisters and brothers of Odisha. Larger in capacity and better in facilities, it will contribute towards building a healthier Odisha.

PM @narendramodi

Dec. 24, 2018

शिक्षा के साथ–साथ जनता के स्वास्थ पर भी केन्द्र सरकार पूरी गंभीरता से ध्यान दे रही है। इसी भावना के साथ खोरधा–भुवनेशर में बने ईएसआईसी अस्पताल में हुए विस्तारीकरण का काम भी पूरा किया जा चुका है। आज आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस अस्पताल को भी जनता के लिए समर्पित किया गया है।

PM @narendramodi

Dec. 24, 2018

At the 186th meeting of ESI Corporation, launched a dedicated programme focused on preventive annual health checkup for insured workers aged 40 years and above. As a pilot, the programme will start with four ESIC Hospitals in Ahmedabad, Faridabad, Hyderabad and Kolkata.

@byadavbjp

Dec. 4, 2021

Laid the foundation stone of 500-bed ESIC Hospital at Manesar with @cmohry Sh @ mlkhattarji, Deputy CM Sh @Dchautala Ji & MoS Sh @Rameswar Teli Ji. It will benefit over 6 lakh people of Manesar and many more from adjoining areas of Mahendargarh, Rewari & Nooh.

@byadavbjp

Feb. 13, 2022

ईएसआईसी भारत के कार्यबल और उनके परिवार की स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में एक अहम भूमिका निभा रहा है। ईएसआईसी के स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

@byadavbjp

Feb. 24, 2022

Inspected and initiated the construction work of 200 bedded ESIC Hospital project at a cost of Rs. 143 Crores in #Guwahati. It will facilitate state-of-the-art healthcare to the people of #Assam and the entire North Eastern Region.

@Rameswar_Teli

Nov. 16, 2021

Visited the renovated ESIC hospital in Malkapuram, Vishakhapatnam today. Renovated at the cost of Rs. 15 crores, the ESIC hospital building spread over 68,349 sqft, has a capacity of 125 beds and will greatly benefit the esic beneficiaries.

@Rameswar_Teli

Jan. 22, 2022

Designed by Laqshya Media Ltd.

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
भारत सरकार

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

फॉलो करें:
@ESICHQ

टोल फ्री नं.: 1800 11 2526, चिकित्सा हेल्पलाइन नं.: 1800 11 3839 पर संपर्क करें।